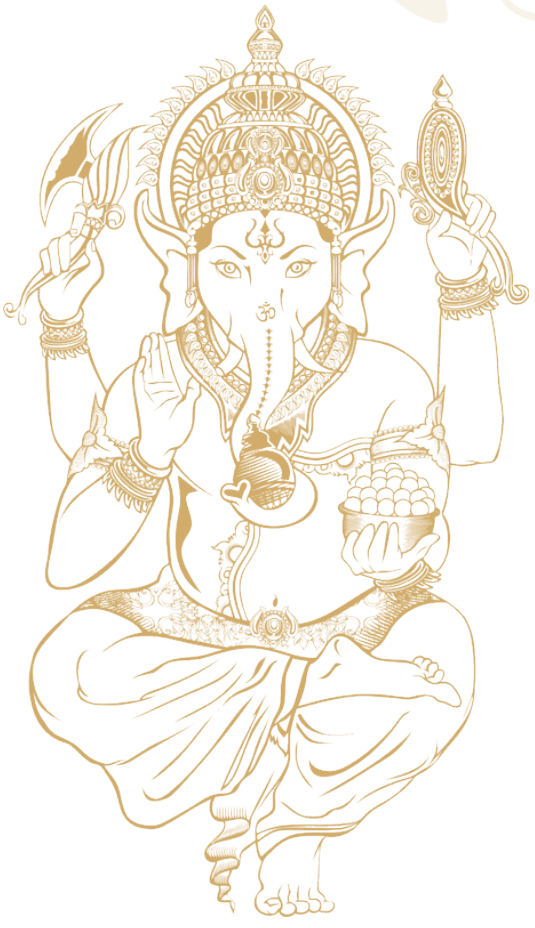

Shakti Singh

Vaishnavi jadaun

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120069207

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/09/1992	जन्म तिथि	27/02/1999
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 18:15:00	जन्म समय	23:45:00 घंटे
घटी 30:39:28	जन्म समय(घटी)	42:19:29 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Aligarh
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	27:54:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	78:04:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:17:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:59:12	सूर्योदय	06:45:15
18:42:25	सूर्यास्त	18:16:14
23:45:34	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:33

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 5वर्ष 2मा 9दि		07:29:42	कुंभ	लग्न	तुला	27:33:45	शनि 3वर्ष 4मा 26दि	
शनि		15:33:48	सिंह	सूर्य	कुंभ	14:51:36	केतु	
11/11/2013		16:09:10	तुला	चंद्र	कर्क	14:16:34	26/07/2019	
11/11/2032		29:56:44	वृष	मंगल	तुला	16:22:04	26/07/2026	
शनि	14/11/2016	02:52:44	सिंह	बुध	मीन	02:14:17	केतु	22/12/2019
बुध	25/07/2019	27:50:44	सिंह	गुरु	मीन	09:28:28	शुक्र	20/02/2021
केतु	02/09/2020	07:17:41	कन्या	शुक्र	मीन	13:24:31	सूर्य	28/06/2021
शुक्र	03/11/2023	19:35:45	मक व	शनि	मेष	06:01:56	चन्द्र	27/01/2022
सूर्य	15/10/2024	03:59:19	धनु व	राहु	कर्क	28:18:36	मंगल	25/06/2022
चन्द्र	16/05/2026	03:59:19	मिथु व	केतु	मक	28:18:36	राहु	14/07/2023
मंगल	25/06/2027	20:28:25	धनु व	हर्ष	मक	20:22:58	गुरु	19/06/2024
राहु	01/05/2030	22:36:14	धनु व	नेप	मक	09:19:36	शनि	29/07/2025
गुरु	11/11/2032	26:41:19	तुला	प्लूटो	वृश्चि	16:35:49	बुध	26/07/2026

लग्न-चलित

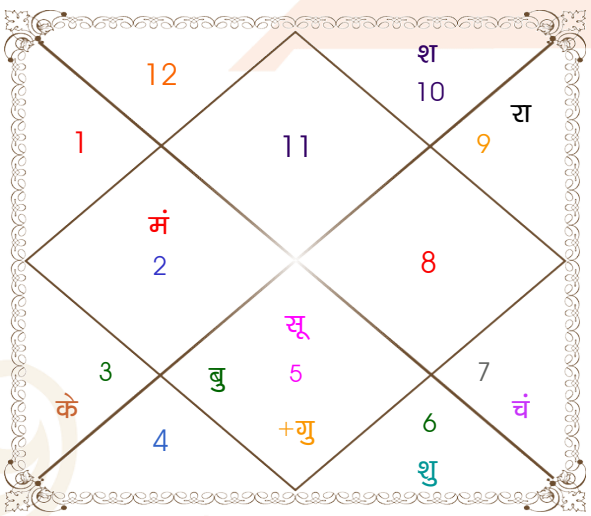

लग्न-चलित

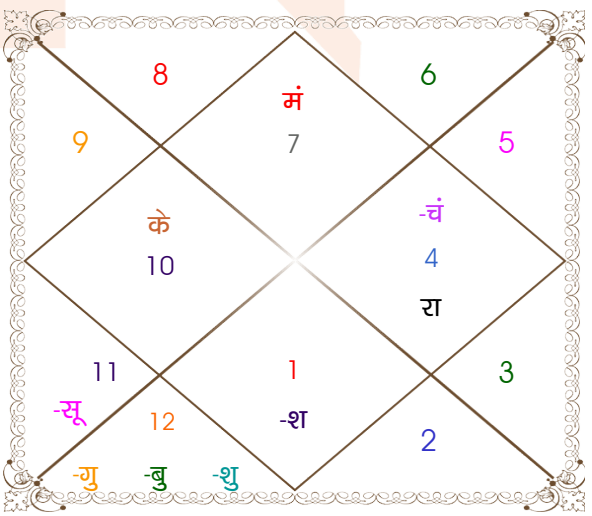

Future key India
Vaishnodham Colony Aligarh
9412385294
futurekeyindia@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

ौीजपैपदही का वर्ग मृग है तथा Vaishnavi jadaun का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ौीजपैपदही और Vaishnavi jadaun का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ौीजपैपदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Vaishnavi jadaun मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ौीजपैपदही कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ौीजपैपदही तथा Vaishnavi jadaun में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।